महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 138वीं जयंती मनाई

▶ गणित दैनिक जीवन का अभिन्न अंग , यह तार्किक क्षमता को विकसित करता है

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं गणित विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 138वीं जयंती के अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय गणित दिवस 2025 के अंतर्गत गणित, कला एवं रचनात्मकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजन गणित विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद शर्मा के संयोजन तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेश लाल मेहरा थे। विशिष्ट अतिथियों में उज्जैन संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एचएल अनिजवाल, जनजाति अनुसंधान अधिकारी डॉ. माधुरी यादव तथा सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के गणित विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

द्वितीय सत्र मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। विशिष्ट वक्ताओं के रूप में परीक्षा नियंत्रक (एमपी-सेट) डॉ. रजनी भार्गव, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. रविंद्र पंचभाई एवं उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. गजेंद्र उज्जैनकर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अपने उद्बोधन में डॉ. राजेश लाल मेहरा ने छात्राओं को जीवन में प्रसन्नता और संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी। मुख्य वक्ता डॉ. वीके गुप्ता ने छात्राओं को नवीन शिक्षा नीति से अवगत कराते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा पूर्व में हमारे संस्कारों और जीवन का हिस्सा थी, किंतु पाठ्यक्रम में उसका समुचित स्थान नहीं था। डॉ. रविंद्र पंचभाई ने गणित की सर्वव्यापकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोई भी विषय गणित से अछूता नहीं है।

गणित आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का आधार है। डॉ. रजनी भार्गव ने गणित को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि यह तार्किक क्षमता को विकसित करता है। संचालन डॉ. कविता जैन ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. एकता दुबे द्वारा किया गया। अतिथि परिचय डॉ. भावना नागर एवं डॉ. रूपा भावसार ने प्रस्तुत किया। इस गरिमामय आयोजन में महाविद्यालय परिवार, अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

मतंगेश्वर महादेव मंदिर पर भगवान को छप्पन भोग लगाया

उज्जैन। गोला मंडी स्थित 84 महादेव मंदिरों में से 60वें क्रमांक के प्राचीन मतंगेश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान मतंगेश्वर महादेव को छप्पन भोग अर्पित कर भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। सुबह से देर रात तक मंदिर परिसर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। मंदिर पर आकर्षित रूप से लाइट बैलून पुलों से सजावट की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी निशान यादव रहे, जिनकी उपस्थिति में ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य महाआरती संपन्न हुई। इसके पश्चात भक्तों ने भगवान शिव की आराधना की। समाजसेवी रोहित मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर कई वर्षों पुराना एवं अत्यंत प्राचीन है। मान्यता है कि यहां भगवान मतंगेश्वर महादेव को एक लोटा जल अर्पित करने से एक गाय दान के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां जलाभिषेक के लिए आते हैं। स्थानीय निवासी भी किसी नए कार्य की शुरुआत से पूर्व भगवान को जल अर्पित कर आशीर्वाद लेते हैं। आयोजन के दौरान उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को मावे के पेड़े का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर शहर की समृद्धि, देश में सुख-शांति एवं प्रकृति संरक्षण की कामना की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाआरती में भाग लेकर भगवान से देश में शांति बनाए रखने की प्रार्थना की। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि एवं समाजसेवियों का मंदिर समिति द्वारा महाकाल का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।इस अवसर पर पंडित श्याम शर्मा, पंडित सुनील शर्मा, वीरेंद्र कुमार शर्मा, पंकज बृजमोहन मित्तल धनोतिया, राजकुमार मित्तल योगेश मालवीय महेश त्रिपाठी, सोनू मालवीय, अजय राय, रवि दरबार हीरालाल.ललित मालवीय, राहुल मालवीय, प्रिंस मालवीय, रितु जैन, शिल्पा मित्तल, संजय सुनील नीमा, सुशील टटवाल, रूपेश चतरा राय, राजकुमार मिश्र, राजेश राय, गुड्डू गुरु सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एक नजर में

महाप्रसादी का लाभ शिव भक्तों ने लिया

खाचरौद। स्थानीय तहसील परिसर में स्थित श्री बिल्व पत्रेश्वर महादेव मंदिर में शिवरात्रि महोत्सव पर महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने प्रसादी का लाभ लिया।

महाशिवरात्रि पर हुआ बाबा श्री धुर्जटेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक

महिदपुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर पूर्व वाहिनी सलीला मां शिप्रा के पावन तट पर स्थित महिदपुर के पौराणिक एतिहासिक प्रसिद्ध श्री धुर्जटेश्वर महादेव पर मठ के महंत राजेंद्र भारती के द्वारा आचार्य डॉ. गिरीश जोशी के आचार्यत्व में विद्वत ब्राह्मण जनों ने नमक चमक विधि द्वारा 11 रुद्र के पाठ की आवृत्ती की गई। दूध, दही, गन्नारस, पंचामृत से भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। ब्रह्म मुहूर्त में महादेव जी का सेहरा सजाकर दूल्हा रूप में महाआरती की गई। इसके पश्चात मंदिर के महंत एवं मुख्य पुजारी राजेंद्र भारती का सम्मान उपस्थित ब्राह्मणजनो द्वारा किया गया। इस अवसर पर पं. सुभाष चंद्र जोशी, सत्यनारायण शर्मा, गोपाल व्यास, आदित्य भारती,नरेश पालीवाल, क्षितिज उपाध्याय, दर्पण सोनी, रिंकू पण्ड्या, स्वस्तिक चौधरी, अभिषेक चौधरी, मनोहर सोनी, नितिन शर्मा, दीपांशु कालरा, प्रणव लुणावत, उरविश खत्री, मुकेश गिरी, उपेन्द्र गिरी, दीपक परमार, रवन्जन जोशी आदि सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे। जानकारी मंदिर पुजारी आदित्य भारती ने दी।

मप्र कांग्रेस सेवा दल अध्यक्ष भार्गव का क्या स्वागत

घट्टिया। सोमवार को भोपाल में मप्र कांग्रेस सेवा दल अध्यक्ष अवनीश भार्गव का स्वागत जिला (ग्रामीण) कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉ. चैन सिंह चौधरी के नेतृत्व में किया गया एवं जिला (ग्रामीण) कांग्रेस सेवादल की गतिविधियों से अवगत कराते हुए उज्जैन जिले में कांग्रेस सेवा दल के आगामी कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. अंकित गुनाया, कृष्णा बारोड, हेमंत कोली, राहुल मदावत, पंकज कुशवाहा उपस्थित थे।

महाविद्यालय की छात्राओं ने किया महाकाल वन मेला का भ्रमण

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, द्वारा इको क्लब प्रभारी डॉ कविता जैन के संयोजन में बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण मध्य प्रदेश शासन द्वारा विक्रमोत्सव के अंतर्गत दशहरा मैदान में आयोजित महाकाल वन मेला 2026 (समृद्ध वन, खुशहाल जीवन) में कराया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बी.एससी. तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम में एथेनोबॉटनी एवं औषधीय पौधों का अध्ययन सम्मिलित है। इस दृष्टि से मेला भ्रमण छात्राओं के लिए पाठ्यवस्तु को सजीव एवं प्रायोगिक रूप में समझने का सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने भ्रमण से पूर्व छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि वन मेले के माध्यम से छात्राएँ प्राकृतिक औषधियों, वन उत्पादों तथा पारंपरिक ज्ञान से प्रत्यक्ष रूप से परिचित हो सकेंगी।मेले में छात्राओं ने पाठ्यक्रम में वर्णित विभिन्न लोक औषधियों, लोक व्यंजनों, वन उत्पादों तथा लोक चिकित्सा पद्धतियों का सजीव अवलोकन किया। महुआ से निर्मित पौष्टिक एवं स्वादिष्ट उत्पादों जैसे महुआ के लड्डू, अचार एवं कुकीज़ के साथ-साथ हर्बल गुलाल, बाँस से निर्मित लैंप, फूलदान, खिलौने एवं सजावटी वस्तुओं के अनेक स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे।सामाजिक वानिकी के अंतर्गत विभिन्न जिलों की प्रदर्शनी में बहुमूल्य जड़ी-बूटियाँ, ऑर्गेनिक सब्जियाँ, फल-फूल, मसाले तथा मोटे अनाज जैसे कोदो, कुटकी, रागी, सावा एवं बाजरा आदि प्रदर्शित किए गए।

साथ ही वन्य जीवन संरक्षण जैसे कूनो पार्क के चीते एवं फिश एक्वेरियम के माध्यम से मछली पालन एक्वेरियम के मेंटेनेंस का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।इस शैक्षणिक भ्रमण में डॉ. मीना मोघे, डॉ. भावना नागर एवं डॉ. एकता दूबे के नेतृत्व में महाविद्यालय की 20 छात्राओं ने सहभागिता कर ज्ञानवर्धक अनुभव प्राप्त किया।

महाविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ. रूपा भावसार ने बताया कि यह भ्रमण छात्राओं के लिए ज्ञान, अनुभव एवं जागरूकता की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।

स्व. जायसवाल की पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

महिदपुर। श्री धन्वंतरि आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, उन्हेल एवं स्व. सुरेश चंद जायसवाल की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर महिदपुर नगर में पारुल हॉस्पिटल, बड़ौदा के सहयोग से एक भव्य एवं नि:शुल्क विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में क्षेत्र के आसपास के गांवों सहित महिदपुर नगर के हजारों लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्व. सुरेश चंद जायसवाल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। शिविर में आयुर्वेद विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा मरीजों की जांच की गई। मरीजों को आवश्यकतानुसार आयुर्वेदिक दवाइयां भी नि:शुल्क वितरित की गईं। अंकित जायसवाल ने बताया कि जिन मरीजों को उन्नत उपचार की आवश्यकता है, उन्हें पारुल हॉस्पिटल, बडौदा द्वारा नि:शुल्क बस सुविधा उपलब्ध कराकर बड़ौदा ले जाया जाएगा, जहां उनका नि:शुल्क उपचार किया जाएगा। बड़ी संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी चिकित्सकों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के जनसेवा कार्य निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

क्रिकेट मैच : न्यू नवाजी ने 4 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया

खाचरौद। सर्व श्री स्वस्तिकाये सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित जिले के सबसे बड़े क्रिकेट आयोजन खाचरौद प्रीमियर लीग सीजन-4 का समापन रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। आयोजक नारायण मंडावलिया एवं संस्था अध्यक्ष जितेंद्र जैन के नेतृत्व में एक माह तक चले इस खेल महोत्सव के दौरान मैदान में जनसैलाब उमड़ा। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

खिताबी भिड़ंत न्यू नवाजी क्रिकेट टीम और इंपीरियल इंटरनेशनल क्रिकेट क्लब के बीच हुई। इंपीरियल इंटरनेशनल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 88 रन बनाए। जवाब में न्यू नवाजी ने भी 12 ओवर में 88 रन ही बनाए, जिससे मैच बराबरी (ड्रॉ) पर छूटा। खाचरौद के इतिहास में यह पहला मौका था जब फाइनल जैसा बड़ा मुकाबला ड्रॉ हुआ और परिणाम के लिए सुपर ओवर का सहारा लिया गया। सुपर ओवर में न्यू नवाजी ने 9 रन बनाए। जवाब में इंपीरियल इंटरनेशनल की टीम केवल 5 रन बना सकी और न्यू नवाजी ने 4 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

गरिमामयी उपस्थिति: फाइनल के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. तेज बहादुरसिंह चौहान एवं पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर रहे। साथ ही नगरपालिका जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह पवार, मनीषा शर्मा, ओपी गेहलोद, अजीज पेंटर, विनोद परासिया, दशरथ वाक्करिया, फारुख अली, सुमित गेलडा, सौरभ जैन आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। संचालन अमित खेमसरा ने किया एवं आभार अजीज खान द्वारा व्यक्त किया गया।

पुरस्कारों की बौछार और समाजसेवियों का सम्मान

विजेता टीम न्यू नवाजी को 71 हजार रुपये नकद व ट्रॉफी प्रदान की गई, वहीं उपविजेता इंपीरियल इंटरनेशनल को 41 हजार रुपये व ट्रॉफी से नवाजा गया। इसके अलावा खिलाड़ियों को व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए सैकड़ों अन्य पुरस्कार दिए गए। खेल के साथ-साथ यह मंच सामाजिक सरोकार का भी गवाह बना। खाचरौद का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं, राजनीतिक व धार्मिक संगठनों के नेताओं, पूर्व क्रिकेटरों, राष्ट्रीय खिलाड़ियों और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय महिला मंडलों सहित 500 से अधिक समाजसेवियों का भव्य सम्मान किया गया।

बाल संगम में संजा और गणगौर की प्रस्तुति ने मोहा मन

▶ प्रतिकल्पा संस्था ने किया मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व, मिलीं खूब तालियां

उज्जैन। देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय 25वें भारत रंग महोत्सव के अंतर्गत बाल संगम में उज्जैन के नन्हे कलाकारों ने मालवी संस्कृति की अनूठी छटा बिखेरी। 10 से 14 फरवरी तक चले इस महोत्सव में देश भर की लोक संस्कृतियों का संगम देखने को मिला, जिसमें मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव उज्जैन की प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था को प्राप्त हुआ। संस्था के अध्यक्ष डॉ. शिव चौरसिया ने बताया कि बच्चों में लोककला के संस्कार रोपित करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, नई दिल्ली द्वारा यह आयोजन किया गया था। इस दौरान प्रतिकल्पा के बाल कलाकारों ने लगातार 5 दिनों तक मालवा की विभिन्न लोक परंपराओंकृसंजा, गणगौर और बधाई गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों ने वहां मौजूद दर्शकों और कला प्रेमियों का दिल जीत लिया और खूब प्रशंसा बटोरी। सिर्फ प्रस्तुति ही नहीं, बल्कि इस अवसर पर एनएसडी के कला विशेषज्ञों द्वारा बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं। इसमें उज्जैन के बाल कलाकारों ने अभिनय, संगीत, क्राफ्ट और संभाषण कौशल का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। महोत्सव के समापन समारोह में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रमुख रिकेन नगोमले और अन्य गणमान्य अतिथियों ने दल के निर्देशन और नेतृत्व के लिए कुमार किशन और डॉ. पल्लवी किशन का विशेष सम्मान किया।

इन कलाकारों ने बढ़ाया मान

इस उपलब्धि में टीम के निर्देशन की कमान डॉ. पल्लवी किशन ने संभाली, जबकि दल प्रमुख कुमार किशन रहे। विशेष सहयोग वीणा व्यास का रहा। मालवा की इस प्रस्तुति को सुर और ताल देने में प्रीति देवले (गायन), विजय गांगुलीया और गगन जौहरी (ताल वाद्य) तथा विवेक धवन (हारमोनियम) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले बाल कलाकारों में रिद्धिमा खंडेलवाल, ईशान्वी राठौर, कावेरी कश्यप, रिद्धि सोनी, रिश्वी व्यास, निष्ठा शर्मा, प्रिंसीका बोरदिया, आकांक्षा मंडलोई, कनक बोरदिया, स्तुति जोशी, चाहत कश्यप, देवेशी चौहान, आद्या जोशी, स्तुति खत्री और विभास देवले शामिल हैं।

एक नजर — रामेश्वर महादेव का हुआ विशेष श्रृंगार

रामेश्वर महादेव मंदिर में हुआ सामूहिक कालसर्प दोष महापूजन

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में महाशिवरात्रि का पर्व पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। बाबा महाकाल की नगरी में शिप्रा तट स्थित प्राचीन रामेश्वर महादेव मंदिर में इस अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। रामेश्वर महादेव एवं विराट हनुमान भक्त मंडल के तत्वावधान में पंडित डॉ. विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल एवं पंडित आर्यन शुक्ल के आचार्यत्व में भव्य सामूहिक कालसर्प दोष महापूजन का आयोजन किया गया। इस अनुष्ठान की सबसे खास बात यह रही कि इसमें न केवल देश के विभिन्न कोनों से, बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। तकनीक के माध्यम से अमेरिका से प्रगति उपाध्याय ने ऑनलाइन जुड़कर पूजन विधि संपन्न की, जबकि यहां मंदिर में उनके माता-पिता उपस्थित रहे।

महापर्व की शुरुआत सुबह रामेश्वर महादेव के पंचामृत अभिषेक और विशेष पूजन के साथ हुई। लगभग 4 घंटे तक चले इस कालसर्प दोष महापूजन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां दी गईं। शाम को भगवान रामेश्वर महादेव का दूल्हे की तरह आकर्षक श्रृंगार कर सेहरा सजाया गया और महाआरती की गई। समापन पर पंडित शुक्ल द्वारा भक्तों को आशीर्वाद स्वरूप रुद्राक्ष एवं यंत्र भेंट किए गए।

मंदिर की पौराणिक मान्यता: पंडित डॉ. विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल ने बताया कि अवंतिका में स्थित रामेश्वर महादेव का शिवलिंग विश्व का एकमात्र ऐसा शिवलिंग है, जो अपनी धुरी पर चारों दिशाओं में घूमता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसकी स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी।

छह से अधिक भाषा बोल सकती हैं पूजा हेगड़े

पंडित शुक्ल ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र में कालसर्प दोष को संघर्षपूर्ण माना गया है। जब कुंडली में राहु और केतु के बीच सभी ग्रह आ जाते हैं, तब यह योग बनता है, जिससे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक कष्टों का सामना करना पड़ता है। महाशिवरात्रि और नागपंचमी जैसे पर्वों पर उज्जैन जैसी देवभूमि में इस दोष का निवारण करने से जातक को शीघ्र लाभ मिलता है और बाबा महाकाल के आशीर्वाद से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।